राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 326 | जौनपुर | बुधवार, 16 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में भाजपा के चारों इंजन फेल – आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को विफल करार देते हुए कहा कि स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है जिससे बच्चे डरे सहमें हुए हैं और अभिभावक चिंतित है। आप ने एक्स पर कहा, "भाजपा की चार इंजन सरकार दिल्ली की जनता को सुरक्षा देने में है फेल। कल दो स्कूलों को बम की ध ामकी के बाद, आज एक और स्कूल को बम की धमकी दी गई है, लेकिन गृह मंत्री अमित शाह बिहार में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने मंत्रियों के साथ फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, "दिल्ली में ये क्या हो रहा है? कल दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली और आज एक और स्कूल और कॉलेज को धमकी मिली है। बच्चे डरे हुए हैं, अभिभावक बेहद चिंतित हैं। भाजपा की चार–चार इंजन वाली सरकारें पूरी तरह से फेल हो चुकी हैं।

20 दिन बाद अंतरिक्ष से पृथ्वी पर लौटे कैप्टन शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्री 20 दिन बाद स्पेस से पृथ्वी पर लौट आए हैं। 23 घंटे के सफर बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ने कैलिफोर्निया के समुद्र पर लैंड किया। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैप्टन शुभांशु शुक्ला की सकुशल वापसी पर हर्ष जताया है। उन्होंने अंतरिक्ष से धरती पर लौटने की इस यात्रा को मील का पत्थर करार दिया है। प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म के जरिए कहा, ष्मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है। वहीं, स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ष्ड्रैगन के सुरक्षित उतरने की पुष्टि हो गई है । एस्ट्रोपैगी, शक्स, एस्ट्रोऋस्लावोज और टिबी, पृथ्वी पर आपका स्वागत है। शुभांशु शुक्ला, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की–विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर रवाना हुए थे। वह राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बने हैं। राकेश शर्मा ने यह यात्रा 1984 में की थी।

संसद के मानसून सत्र में आठ नए बिल ला सकती है मोदी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार संसद के मानसून सत्र में आठ नए बिल ला सकती है। 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के आगामी मानसून सत्र के लिए नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा प्रस्तावित संभावित कार्यों में शामिल हैं। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने के लिए प्रस्ताव लाने की मंशा को शामिल करने से यह संकेत मिलता है कि सरकार की पूर्वोत्तर राज्य में 13 फरवरी को लागू किए गए उपाय को तत्काल वापस लेने की कोई योजना नहीं है। संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति शासन की घोषणा के लिए हर छह महीने में संसद की मंजूरी लेनी होती है और वर्तमान समय सीमा 13 अगस्त को समाप्त हो रही है। इसके अलावा, 2025–26 के लिए अनुदान मांगों (मणिपुर) से संबंधि ात विनियोग विधेयक संसद के समक्ष लाया जाएगा। सरकार आयकर विध ेयक, 2025 भी लाने की योजना बना रही है, इस उम्मीद के साथ कि प्रवर समिति मानसून सत्र के दौरान अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। यह विधेयक 13 फरवरी को लोकसभा में पेश किया गया था और जांच के लिए प्रवर समिति को भेजा गया था। अस्थायी सूची में असैन्य परमाणु दायित्व व्यवस्था में बदलाव संबंधी बहुप्रतीक्षित विधेयकों का उल्लेख नहीं है। हालाँकि, सरकार सत्र के दौरान एक विधेयक ला सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने वर्षों से फैसले लंबित रखने पर झारखंड हाईकोर्ट को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामले में निचली अदालत में दोषी करार दिए गए 10 अभियुक्तों की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि निचली अदालत के फैसले के खिलाफ उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट में 2018–19 में याचिकाएं दाखिल की थीं, जिस पर वर्ष 2022–23 में सुनवाई पूरी होने के बाद भी फैसला अब तक लंबित रखा गया है। शीर्ष अदालत में याचिका दायर करने वाले 10 लोगों में छह को निचली अदालत में मौत

और चार अन्य को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इनमें से 9 लोग रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद हैं, जबकि एक सजा प्राप्त व्यक्ति हाल में जमानत मिलने के बाद दुमका जेल से बाहर आया है। इनकी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने नोट किया कि झारखंड हाईकोर्ट में सभी 10 लोगों की याचिकाओं पर सुनवाई पूरी होने के बाद लंबे समय से फैसला सुरक्षित रखने वाले न्यायाधीश एक ही हैं। दलीलें पेश करते हुए अधिवक्ता फौजिया शकील ने कहा कि सुनवाई पूरी होने के बाद फैसले को वर्षों तक लंबित रखना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों को दिए गए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। इस व्यवस्था के अनुसार, 'त्वरित न्याय' पाना भी नागरिकों का अधिकार है।

राहुल गांधी पर जमकर बरसे धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को ओडिशा के बालासोर में 20 वर्षीय छात्र की मौत पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। प्रधान ने गांधी पर एक संवेदनशील मुद्दे पर सस्ती राजनीति करने का आरोप लगाया और उनसे माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन कांग्रेस इसका इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए कर रही है। उन्होंने गांधी पर तुच्छ मानसिकता का आरोप लगाया। धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी और कांग्रेस का ओडिशा की बेटी के साथ हुए दुखद घटना पर ओछी राजनीति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। एक गंभीर और संवेदनशील मामले को

राजनीतिक हथियार बनाना राहुल गांधी की सस्ती मानसिकता को दर्शाता है। ओडिशा की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन कांग्रेस ने इसे भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका बना लिया है। उन्होंने कहा कि प्रध ाानमंत्री मोदी जी और भाजपा ने हमेशा महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए ठोस कदम उठाए हैं, जबकि कांग्रेस ने हमेशा हर दुर्घटना में अवसर तलाशने का काम किया है। भाजपा नेता ने दावा किया कि इस घटना पर ओडिशा सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मगर, यह समय सस्ती राजनीति का नहीं, बल्कि पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने का है। राहुल गांधी को अपने इस गैर–जिम्मेदाराना बयान के लिए पीड़ित परिवार से तुरंत माफी मांगनी चाहिए। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ओडिशा के बालासोर में आत्मदाह करने वाली छात्रा की मौत के बाद मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के ''सिस्टम'' ने इस लड़की की हत्या की है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस विषय पर चुप्पी नहीं साधनी चाहिए, बल्कि जवाब देना चाहिए। एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर ''यौन उत्पीड़न'' किए जाने के मामले में न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने वाली छात्रा ने तीन दिन तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद भुवनेश्वर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सोमवार रात दम तोड़ दिया।

चुनाव की रणनीति तय करने के लिए इंडी गठबंधन की बैठक जरूरी – उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। महायुति और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने इस चुनाव के लिए अपनी–अपनी तैयारी तेज कर दी है। इस बीच इंडी गठबंधन को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बड़ा बयान दिया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि चुनाव की रणनीति पर इंडी गठबंधन की बैठक जरूरी है। अब तक इंडी गठबंधन की कोई औपचारिक बैठक नहीं हुई है, जबकि बिहार समेत कई राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। महाराष्ट्र में भी नगर पालिका और जिला परिषद के चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में इंडिया ब्लॉक के घटक दलों के बीच एक ठोस रणनीति तय करने के लिए बैठक जल्द से जल्द होनी चाहिए। उन्होंने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की पैरवी करते हुए कहा कि मैं भी यह कहना चाहता हूं कि देश में हर चुनाव बैलेट पेपर से ही कराया जाना चाहिए। जब ब्रिटेन जैसे देश में आज भी बैलेट पेपर से चुनाव होते हैं तो हमारे यहां चुनाव के लिए ईवीएम पर ही क्यों जोर दिया जाता है? लोकतंत्र की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह बदलाव जरूरी है। बता दें कि इससे पहले उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए विशेष जन सुरक्षा बिल को भयानक बताया था। उन्होंने कहा था कि सरकार की कथनी और करनी में फर्क है। इस बिल को लेकर मैंने कहा कि कहीं भी दहशतवाद और आतंकवाद का जिक्र नहीं है। इसलिए मेरा ऐसा मानना है कि कभी भी आम जनता को उठाकर जेल में डाला जा सकता है, जो अब तक चलते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि इसका नाम जन सुरक्षा बिल से बदलकर भाजपा सुरक्षा बिल कर देना चाहिए, क्योंकि भाजपा के खिलाफ जो बोलेगा वह उनको देशद्रोही लगता है। हमने कहा कि हम इस बिल का समर्थन करेंगे, लेकिन आप पहले इस बिल में दो–तीन शब्दों का संशोधन करें। पहले आप इस बिल में नक्सलवाद और देशद्रोही जैसे शब्दों का जिक्र करें, उसके बाद फिर से बिल लाइए, हम उसका समर्थन करेंगे।

मानसून सत्र से पहले जगदीप धनखड़ से मिले खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र से पहले, कांग्रेस अध यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप

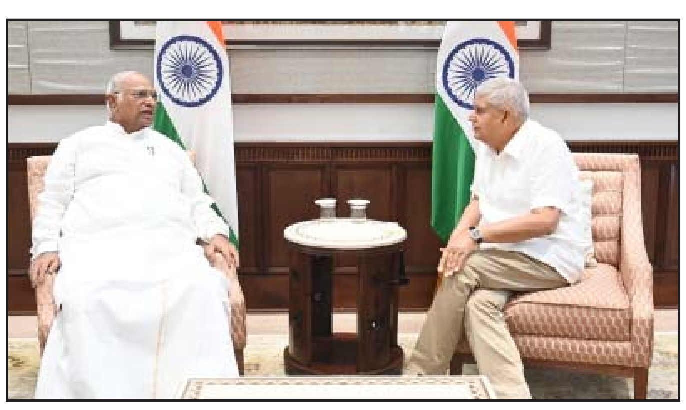

धनखड़ से मुलाकात की और कहा कि विपक्ष एक सार्थक सत्र चाहता है। संसद का एक महीने तक चलने वाला मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि विपक्ष 21 जुलाई से राज्यसभा का एक सार्थक सत्र चाहता है। इसके लिए कई रणनीतिक, राजनीतिक, विदेश नीति और सामाजिक–आर्थिक मुद्दों पर बहस और चर्चा की आवश्यकता है, जो जनता के लिए बहुत चिंता का विषय हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने धनखड़ के साथ अपनी बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि आज मैंने राज्यसभा के माननीय सभापति से मुलाकात की और एक उपयोगी बातचीत हुई। खरगे ने कहा, विपक्ष 21 जुलाई से राज्यसभा का सफल सत्र चाहता है। ऐसा होने के लिए कई रणनीतिक, राजनीतिक, विदेश नीति और सामाजिक– आर्थिक मुद्दों पर बहस और चर्चा करने की आवश्यकता है, जो बड़ी सार्वजनिक चिंता का विषय हैं। उनका कहना था, आज मैंने राज्यसभा के माननीय सभापति से मुलाकात की और सार्थक बातचीत हुई। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से आरंभ होकर 21 अगस्त तक चलेगा। कांग्रेस ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के चीन के दौरे का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा।

भारतीय सेना मानहानि मामले में राहुल का लखनऊ कोर्ट में सरेंडर

उत्तर प्रदेश, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि के एक मामले में लखनऊ की एक अदालत ने जमानत दे दी है। जानकारी के अनुसार, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा की अध्यक्षता वाली एमपी–एमएलए कोर्ट ने उन्हें 20–20 हजार रुपये के दो मुचलके भरने पर राहत दी। यह मानहानि का मामला गांधी द्वारा अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों से जुड़ा

है। अदालत के समन का पालन करते हुए, गांधी लखनऊ में सांसदों और विधायकों के लिए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुए। यह विवाद 16 दिसंबर, 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान शुरू हुआ था। गलवान घाटी में हुई झड़पों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा था कि चीनी सैनिक हमारे सैनिकों को पीट रहे हैं और कोई इस बारे में सवाल तक नहीं पूछ रहा है। उन्होंने आगे कहा था कि चीनी सैनिक हमारे सैनिकों को पीट रहे हैं। हालाँकि, भारतीय सेना ने कुछ दिन पहले ही 12 दिसंबर को एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया था कि चीनी सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें कड़ा और माकूल जवाब दिया गया। बयान के अनुसार, चीनी सेना को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा और दोनों पक्षों को केवल मामूली चोटें आईं। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने लखनऊ की एक अदालत में उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

इंडिया पोस्ट केवल एक सेवा नहीं, बल्कि देश के दूरस्थ कोनों को जोड़ने वाली जीवनरेखा – सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने मंगलवार को नई दिल्ली में इंडिया पोस्ट की वार्षिक बिजनेस मीट 2025दृ26 की अध्यक्षता की। इस महत्वपूर्ण बैठक में देशभर के विभिन्न सर्किल प्रमुखों ने भाग लिया, जहां इंडिया पोस्ट के व्यवसायिक परिवर्तन और इसे एक प्रीमियम लॉजिस्टिक्स एवं नागरिकोन्मुख सेवा प्रदाता के रूप में विकसित करने की दिशा में व्यापक विमर्श हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सचिव (डाक) वंदिता कौल ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने बीते वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों को साझा किया और आने वाले समय में नवाचार, समावेशन और सेवा आधारित दृ ष्टिकोण को संस्थागत रूप देने की दिशा में रणनीतिक प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। इस अवसर पर सिंधिया ने 'डाक संवाद' नामक एक मासिक ई–न्यूजलेटर का शुभारंभ किया। यह प्लेटफॉर्म इंडिया पोस्ट में हो रहे नवाचारों, व्यावसायिक पहलुओं और जमीनी स्तर पर हो रही सफलता की कहानियों को उजागर करेगा, जो न केवल परिवर्तन की झलक दिखाएंगे, बल्कि डाक विभाग के कर्मियों की अद्भुत प्रतिबद्धता और नागरिकों के विश्वास को भी रेखांकित करेंगे। 'डाक संवाद' का उद्देश्य पूरे इंडिया पोस्ट नेटवर्क में जुड़ाव, प्रेरणा और ज्ञान–साझा को बढ़ावा देना है। बैठक के दौरान सभी सर्किल प्रमुखों ने अपने–अपने क्षेत्र की व्यावसायिक प्रगति, स्थानीय पहलों, चुनौतियों और विकास रणनीतियों का प्रस्तुतीकरण किया। इन प्रस्तुतियों से यह स्पष्ट हुआ कि किस प्रकार इंडिया पोस्ट जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से तालमेल बिठाते हुए लॉजिस्टिक्स, बैंकिंग,

ई–कॉमर्स और सार्वजनिक सेवा वितरण के क्षेत्रों में सशक्त भूमिका निभा रहा है। सिंधिया ने देशभर से आए सभी चीफ पोस्ट मास्टर जनरल (सीपीएमजी) के साथ गहन संवाद किया और उनके अनुभवों, उपलब्धियों, कठिनाइयों और योजनाओं को विस्तार से सुना। अपने संबोधन में उन्होंने कहा,– "इंडिया पोस्ट केवल एक सेवा नहीं, बल्कि हमारे देश के दूरस्थ कोनों को जोड़ने वाली जीवनरेखा है। देशभर से आए प्रतिनिधियों की ऊर्जा, प्रतिबद्धता और नवाचार को देखकर गर्व की अनुभूति हो रही है।ष उन्होंने इंडिया पोस्ट द्वारा अपनाए जा रहे कॉरपोरेट स्टाइल ढांचे की सराहना की, जो प्रदर्शन आधारित कार्य संस्कृति, नवाचार और जवाबदेही को प्राथमिकता देता है। केंद्रीय मंत्री ने सेवा–केंद्रित, व्यावसायिक सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि इंडिया पोस्ट लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में प्रतिस्पध र्ी बने रह सके, साथ ही अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को भी निभा सके। आगामी वर्ष 2025–26 के लिए उन्होंने सभी सर्किलों में उनके संसाधनों और क्षमताओं के आधार पर 20% से 30% की वृद्धि का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया। यह लक्ष्य इंडिया पोस्ट को एक स्थायी लाभकारी संस्था के रूप में परिवर्तित करने की व्यापक दृष्टि का हिस्सा है–जो सामाजिक दायित्व से समझौता किए बिना, सरकार के लिए राजस्व उत्पन्न करने में सहायक होगा।

बैठक में अवसंरचना विकास, प्रक्रियाओं के सरलीकरण, क्षमतावध ान और डिजिटल सशक्तिकरण जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई, जो इंडिया पोस्ट को भविष्य के लिए तैयार, अंतिम छोर तक सेवा पहुंचाने वाला प्रमुख लॉजिस्टिक्स नेटवर्क बनाने की दिशा में निर्णायक हैं।

सिंधिया ने पेश किया इंडिया पोस्ट के लिए 15 सूत्रीय विकास रोडमैप

केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने इंडिया पोस्ट बिजनेस मीट 2025दृ26 के दौरान अधिकारियों से व्यापक संवाद करते हुए 15 प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया। इनमें ग्राहक–केंद्रित सेवा, व्यावसायिक इकाइयों के बीच सहयोग, नई बाजार संभावनाओं की पहचान, प्रत्येक कर्मचारी के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन प्रणाली जैसे विषय प्रमुख रहे। ठंे छप्स लेन–देन वाले सभी कार्यालयों को एक माह के भीतर सुधारात्मक रोडमैप प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। साथ ही आगामी वित्त वर्ष 2025दृ26 के लिए स्पष्ट सेवा लक्ष्य और राजस्व मानक भी तय किए गए हैं। बैठक के अंत में मंत्री ने एकजुटता, समयबद्धता और सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ इस विजन को क्रियान्वित करने का आह्वान किया।

संपादकीय

भारत-बांग्लादेश के बीच घुलेगी मिठास

आम के आम, गुठलियों के दाम, आम खाओ, पेड़ मत गिनो यह कुछ प्रचलित कहावतें हैं, जो भारत के आम जनमानस में खासी प्रचलित हैं। भारत या कहें दक्षिण एशिया में आम केवल एक फल नहीं है, बल्कि कूटनीति (डिप्लोमेसी) का एक बड़ा साधन भी है। भारत हो, पाकिस्तान हो या फिर बांग्लादेश, यहां आम डिप्लोमेसी का बड़ा महत्व है। अपने देश की प्रसिद्ध आमों की किस्मों को प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति दूसरे देश के समक्ष नेताओं को भेजकर मित्रता का संदेश देते हैं। कुछ ऐसा ही काम अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने किया है। मो. यूनुस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के प्रमुख राजनयिकों और दूसरे अधिकारियों को हरीबंगा आम, जो बांग्लादेश की प्रसिद्ध किस्म है, के हजार किलो आम भेजे हैं। इनदिनों दोनों देशों के बीच संबंधों में कटुता चल रही है। क्या मो. यूनुस के आम इस कटुता में मिठास में बदलने का काम करेंगे? भारत में आम को फलों का राजा कहते हैं। दुनिया का 45 प्रतिशत आम भारत में पैदा होता है। हमारे यहां आम की दर्जनों किस्में होती हैं। आम की कुछ प्रजातियां पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी पाई जाती हैं, जिनमें बांग्लादेश का श्हरीबंगा्श आम प्रमुख है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब मो. यूनुस ने भारत के साथ आम डिप्लोमेसी की हो। वो केंद्र सरकार के अलावा त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को आम भेज चुके हैं। इधर, वर्ष 2023 में अपने निर्वासन से पहले बांग्लादेश की तत्कालीन शेख हसीना ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्हरीभंगा आमश भेजे थे। माना जाता है कि उन्होंने यह कदम उस समय तीस्ता नदी जल बंटवारे पर रुकी हुई बातचीत के दौरान मित्रता के भाव से उठाया था। वर्ष 2008 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह को आम भेजे थे, ताकि दोनों देशों के बीच दो पक्षीय संवाद को फिर से प्रारंभ किया जा सके। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आम भेजकर मैत्रीपूर्ण संकेत दिया था। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय से भारत के पत्रकारों और नेताओं को अक्सर आम भेंट स्वरूप भेजे जाते रहे हैं। पाकिस्तान से 'अनवर रटोल' किस्म के आम अवश्य भेजे जाते हैं। रटोल उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले का एक कस्बा है। उसी के नाम पर यह किस्म है। इस किस्म की आम की पौध को बंटवारे के समय कुछ लोग पाकिस्तान ले गए थे।

भारत और आम से होती कूटनीति

भारत की ओर से भी आम डिप्लोमेसी अपनाई जाती रही है। पश्चिमी देशों में आम एक प्रचलित फल है। 1950 के दशक में भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने के लिए राजनयिक स्तर पर आम की पेटियां अमेरिकी नेताओं को भेंट स्वरूप दी जाती थीं। ऐसा कहा जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू अमेरिकी नेताओं को आम भेजते थे। हालांकि, इस बात के कोई आधिकारिक दस्तावेज या पुष्टि नहीं है। वर्ष 1986 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने फिलीपींस की पूर्व राष्ट्रपति कोराजोन एक्विनो को अपनी सरकारी यात्रा के दौरान आम उपहार स्वरूप दिए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह के समय पाकिस्तान के नेताओं को सिंदूरी और चौसा किस्म के आम भेजे गए थे।

चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार

के. रवींद्रन

व्यापक राजनीतिक और संस्थागत संदर्भ को देखते हुए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जिसमें यह उभरा है। चुनाव आयोग को कई क्षेत्रों से, खासकर विपक्ष से, बढ़ती आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इसे कार्यपालिका

के एजेंडे के साथ इसके बढ़ते तालमेल के रूप में देखा जा रहा है। इस आलोचना के केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को लेकर चल रहा विवाद है। बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सर्वोच्च न्यायालय के रुख से सबसे महत्वपूर्ण सीख यह है कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का संवैधानिक अधिकार तो है, लेकिन उसे अनियंत्रित विवेकाधिकार से कार्य करने का अधिकार नहीं है। पहली नजर में आयोग की पहल का समर्थन प्रतीत हो सकता है, लेकिन निर्णय का अंतर्निहित स्वर और सार एक खाली चेक से कहीं अधिक है। इसके विपरीत, न्यायालय ने मनमानी के विरुद्ध एक सख्त चेतावनी जारी की है, जिसमें आयोग को याद दिलाया गया है कि संवैधानिक स्वायत्तता का अर्थ उसकी मनमानी की संवैधानिक सुरक्षा नहीं है। यह घटनाक्रम इस बढ़ती धारणा के आलोक में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि हाल के वर्षों में चुनाव आयोग अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों में भटक गया है।

बिहार मामले में, मतदाता सूची के संशोधन को नागरिकता के सवालों से जोड़ने के आयोग के प्रयास पर अदालत ने कड़ी फटकार लगायी। पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि नागरिकता का निर्धारण चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। यह दावा करके, अदालत ने न केवल बिहार की इस प्रक्रिया पर कानूनी अंकुश लगाया, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी अधिकारियों की बढ़ती दखलंदाजी के बारे में एक बड़ा और अधिक गंभीर सवाल भी उठाया। यह निर्णय उस व्यापक राजनीतिक और संस्थागत संदर्भ को देखते हुए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जिसमें यह उभरा है। चुनाव आयोग को कई क्षेत्रों से, खासकर विपक्ष से, बढ़ती आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इसे कार्यपालिका के एजेंडे के साथ इसके बढ़ते तालमेल के रूप में देखा जा रहा है। इस आलोचना के केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को लेकर चल रहा विवाद है, जिसमें वरिष्ठ विपक्षी नेता राहुल गांधी उनकी विश्वसनीयता और आयोग की निष्पक्षता, दोनों पर सवाल उठाने वाली सबसे लगातार आवाज बन गये हैं। उनके आरोप लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास के क्षरण के व्यापक विषय को छूते रहे हैं, जहां चुनाव आयोग का महत्वपूर्ण स्थान है। इन चिंताओं को उठाकर, गांधी केवल एक राजनीतिक अभियान ही नहीं चला रहे हैं, बल्कि भारत के प्रमुख संवैधानिक निकायों में से एक में विश्वास के संकट की ओर भी ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। जिसकी

प्रकृति इसका प्रयोग अन्यत्र व्यापक उपयोग है, जो सवालों के घेरे में आ गयी है। मतदाता सूची में संशोधन करने की चुनाव आयोग की शक्ति सर्वविदित है। हालांकि, समस्या तब उत्पन्न होती है जब ऐसा लगता है कि इस तरह के संशोधन का आधार प्रशासनिक आवश्यकता से नहीं, बल्कि अस्पष्ट मानदंडों या संदिग्ध उद्देश्यों से उत्पन्न होता है। बिहार में, एसआईआर प्रक्रिया ने अपने समय, कार्यान्वयन के तरीके और इसके संभावित जनसांख्यिकीय निहितार्थों के कारण लोगों को चौंका दिया। यह तथ्य कि आयोग ने मतदाता सूची प्रबंधन को नागरिकता सत्यापन के साथ मिलाने का प्रयास किया, एक ऐसे इरादे की ओर इशारा करता है जो उसके संवैधानिक अधिकार क्षेत्र से परे था। इस कारण सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और एक सीमा निर्धारित करनी पड़ी। यह दर्शाता है कि अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया जाये तो संस्थागत अतिक्रमण कितनी आसानी से सामान्य हो सकता है। केंद्र सरकार द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के संदर्भ में ये चिंताएं और भी गंभीर हो जाती हैं। यह एक व्यापक सुधार है जिसका उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराना है। पहली नजर में, यह विचार दक्षता और लागत-प्रभावशीलता का वायदा करता है। हालांकि, आलोचकों का तर्क है कि इससे पहले से ही नाजुक शक्ति संतुलन केंद्र सरकार के पक्ष में झुकने का खतरा है। इन चुनावों को कराने का मुख्य तंत्र, निश्चित रूप से, चुनाव आयोग ही होगा। इसलिए, एक समन्वित चुनावी कैलेंडर के चश्मे से देखने पर आयोग की निष्पक्षता पर कोई भी संदेह और भी गहरा हो जाता है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने मूलतः इस बात पर जोर दिया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव मॉडल, गलत परिस्थितियों में, चुनाव आयोग को न्यूनतम जवाबदेही वाली एक अर्ध-संप्रभु संस्था में बदल सकता है।

जीवन की नई संभावनाएं लेकर आते

अनन्या

क्या आपने कभी पहली वर्षा की उस गंध को महसूस किया है, जो तपती हुई धरती से उठती है? जैसे वर्षों पुराना कोई वादा पूरा हो गया हो? जैसे आकाश ने धरती को फिर से स्मरण किया हो? बादल जब उमड़ते हैं, तो वे जीवन की नयी संभावनाएं लेकर आते हैं। वर्षा केवल खेतों की नहीं, अंतरात्मा की भी सिंचाई करती है। वह बताती है कि ठहराव के बाद गति और सूखे के बाद हरियाली भी संभव है। जैसे बादल धीरे-धीरे आकार लेते हैं, वैसे ही साधना से भीतर की अनुभूति पूर्णता की ओर बढ़ती है। यही तो वेदों का संदेश है, कि ऋतुओं के परिवर्तन में ही ब्रह्म की गति है, और जब पहली बूंद गिरती है, तो वह चेतना की पुकार होती है। वेदों में वर्षा को "ऋतस्य गर्भः" कहा गया है, वह जो ऋतु (नियम, गति, धर्म) को जन्म देती है। प्रकृति की यह स्थायी पुनरावृत्ति हमारे भीतर की चेतना को एक नया प्रारंभ देती है। वर्षा का हर आगमन हमें यह सिखाता है कि हर अंत के बाद एक नव आरंभ संभव है। जब भूमि महीनों तक तपकर कठोर हो जाती है, तो वह पहली बूँद को आत्मसात कर फूल जाती है। हम भी जीवन में कई बार ऐसे कठिन काल से गुजरते हैं, जहां भावनाएं सूख जाती हैं, संबंध बंजर हो जाते हैं, और विश्वास की भूमि दरकने लगती है। लेकिन यदि धैर्य रखा जाए, तो भीतर का आकाश भी बादलों से भर सकता है। यह वर्षा केवल बाहर नहीं, भीतर भी घटती है। मनोविज्ञान में एक सिद्धांत है, प्रत्यास्थिता जिसका अर्थ है कठिन परिस्थितियों से पुनः उठ खड़ा होने की क्षमता। यह वही है जो वृक्षों के सूखने के बाद पुनः हरे-भरे पत्तों से पूर्ण कर देता है। हमारी आत्मा में भी वही प्रत्यास्थिता है, कि हम कितनी भी बार टूटें, फिर भी पुनः खिल सकते हैं। जैसे धरती जल को पीती नहीं, आत्मसात करती है। वैसे ही साधक प्रत्येक अनुभव को पीड़ा नहीं, प्रज्ञा में बदलता है। इसी प्रकार, जब बादल बिना किसी कारण के छा जाते हैं, और आसमान को घेर लेते हैं, वह अनिश्चितता नहीं, प्रतीक्षा होती है। उस प्रतीक्षा में आनंद छिपा होता है। श्रीमद्भगवद् गीता में कहा गया है कि जो योगयुक्त होता है, वह सहजता से आनंद को प्राप्त करता है। ठीक वैसे ही, जब हम जीवन की वर्षा का स्वागत करना सीख लेते हैं, बिना भय, बिना आशंका, तो वही साधारण क्षण एक महान अनुभव बन जाता है। वर्षा जब गिरती है, तो वह सबको एकसमान छूती है, यह समदृष्टि हमें सिखाती है कि आत्मिक दृष्टि किसी में भेद नहीं करती।

बादल हमें यह भी सिखाते हैं कि हर घटना का एक उचित समय होता है। इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है। यह वह धैर्य है जो अध्यात्म की नींव है। "कालः कर्षति भूतानि", समय ही सबका निर्माता है। साधना में भी यही होता है, हम जब भीतर की आग को सहते हैं, तब कोई अदृश्य शक्ति धीरे-धीरे बादलों को हमारे अंतरिक्ष में एकत्र करती है, और जब भीतर के तप की घड़ी पूरी होती है, तब वर्षा गिरती है। कभी वह करुणा बनकर, कभी मौन बनकर, कभी आत्म-ज्ञान की बूँद बनकर सामने आती है। वर्षा की बूँद का स्थिर स्वर हमें भीतर के मौन से परिचित कराता है, जहाँ शब्द नहीं, केवल अनुभव होता है। प्रकृति के इस चक्र में एक और रहस्य है, हर वर्षा के बाद इंद्रधनुष का उगना। वह सात रंग जो इस बात का प्रतीक है कि जीवन में हर अनुभव, चाहे वह सुख हो या दुःख, एक रंग है, और सब मिलकर ही पूर्णता बनाते हैं। यदि एक भी रंग न हो, तो इंद्रधनुष अधूरा है। इसी प्रकार, जीवन में जो वर्षा हमें दुखी करती है, वही हमें रंगों से भर देती है। यह सत्य है कि कभी-कभी हम जीवन में ऐसे समय से गुजरते हैं जहाँ सब कुछ स्पष्ट होता है, आकाश की तरह नीला, लेकिन शुष्क। हम जानते हैं कि हमें क्या करना है, किन्तु भीतर कोई तरलता नहीं बचती। ऐसे समय बादल हमें सिखाते हैं कि भरा हुआ होना एक प्रक्रिया है। उन्हें बनने में समय लगता है। जीवन में भी अनुभवों को, पीड़ाओं को, प्रेम को इकट्ठा होने देना होता है, तब कहीं जाकर एक पूर्ण भावना बनती है, जो किसी दिन वर्षा की तरह उतरती है। आज जब पर्यावरण असंतुलित हो गया है, वर्षा कभी समय से पहले आती है, कभी देर से, तो इसका संकेत केवल जलवायु परिवर्तन तक सीमित नहीं। यह आत्मिक संकेत भी है, कि हमें फिर से प्रकृति के साथ अपनी लय को साधना है। बादल हमें यह सिखाते हैं कि अधूरे होकर भी ठहरना संभव है। वे पूर्ण नहीं होते, लेकिन तब भी आकाश को ढँक लेते हैं। यह सहना, यह प्रतीक्षा, यह विसर्जन, सब कुछ एक आध्यात्मिक अभ्यास बन सकता है यदि हम देखने का भाव बदल दें। जब हमारी आंतरिक ऋतुएँ, हमारी चेतना की गति, प्रकृति के साथ सामंजस्य में आती हैं, तभी जीवन में पूर्णता उतरती है। क्योंकि जब प्रकृति गिरती है, वह टूटती नहीं, निखरती है। वर्षा उसी निखरने की भाषा है। और हम भी प्रकृति की ही संतति हैं। बादल हमें सिखाते हैं, अपने भीतर की अस्थिरता को स्वीकारना। और वर्षा सिखाती है, उसे प्रकट कर देना, बिना संकोच, बिना भय। यही वह मार्ग है जो हमें भीतर की स्पष्टता और बाहर की सहजता दोनों देता है। जब जीवन में उलझन हो, जब दिशा स्पष्ट न हो, तब केवल एक क्षण आकाश की ओर देखना पर्याप्त हो सकता है, हो सकता है, आपके भीतर भी कुछ घटने लगे जो शब्दों से परे हो। इसलिए अगली बार जब वर्षा हो, जब बादल आकाश को ढँकें और पहली बूँद धरती को छुए, तो एक क्षण ठहरिए। न केवल छाते के नीचे, बल्कि आत्मा के भीतर। पूछिए स्वयं से, क्या मैंने भी कुछ संचित कर रखा है जो अब बहने को तैयार है? क्या मेरे भीतर भी कोई बादल बन चुका है जो कृपा की वर्षा बन सके? क्योंकि हर बादल एक अवसर है, और हर वर्षा एक उत्तर।

.... विविध ....

जीभ के रंग से पता लगा सकते हैं सेहत का हाल, हो सकते हैं गंभीर बीमारी के लक्षण

हमारे शरीर का हर अंग हमारी सेहत के बारे में कुछ न कुछ जरूर बताता है, और इनमें से एक है हमारी जीभ। यह सिर्फ स्वाद चखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समग्र स्वास्थ्य की स्थिति का एक अहम आईना होती है। आमतौर पर एक स्वस्थ जीभ हल्की गुलाबी, नम और उस पर एक हल्की सी सफेद परत होती है। मगर जब आपकी जीभ का रंग, उसकी बनावट या उसका पूरा स्वरूप असामान्य दिखने लगे, तो यह एक अलर्ट हो सकता है। ऐसे बदलाव अक्सर शरीर के अंदर पनप रही किसी न किसी स्वास्थ्य समस्या का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों का भी मानना है कि जीभ के इन सूक्ष्म संकेतों पर ध्यान देकर कई बीमारियों की शुरुआती पहचान की जा सकती है, जिससे समय रहते उनका निदान और उपचार संभव हो पाता है और कई गंभीर समस्या से बचा जा सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि अगर जीभ सफेद, पीला या गाढ़ा लाल है, तो ये किन बीमारियों का संकेत हो सकता है। साथ ही ये भी जानेंगे कि जीभ को स्वच्छ रखने के क्या करना चाहिए?

सफेद जीभ और इसके कारण

सफेद जीभ या मोटी सफेद परत अक्सर खराब मौखिक स्वच्छता, फंगल इन्फेक्शन (जैसे ओरल थ्रश) या डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकती है। कैंडिडा यीस्ट के कारण होने वाला ओरल थ्रश बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में आम है। इसके अलावा, ल्यूकोप्लाकिया, एक ऐसी स्थिति जिसमें सफेद धब्बे बनते हैं, मुंह के कैंसर का प्रारंभिक संकेत हो सकती है। धूम्रपान और तंबाकू का उपयोग भी सफेद जीभ का कारण बनता है। नियमित ब्रशिंग और जीभ की सफाई इस समस्या को कम कर सकती है।

लाल या चटक गुलाबी जीभ

असामान्य रूप से लाल या चटक गुलाबी जीभ विटामिन बी की कमी, विशेष रूप से बी12 या फोलिक एसिड, का संकेत हो सकती है। यह स्कार्लेट बुखार या कावासाकी रोग जैसी बीमारियों से भी जुड़ी हो सकती है। इसके अलावा, जीभ पर लाल धब्बे या चिकनी सतह (ग्लोसाइटिस) एलर्जी, संक्रमण या ऑटोइम्यून रोगों का लक्षण हो सकती है। ऐसी स्थिति में रक्त जांच और डॉक्टर से परामर्श जरूरी है।

पीली जीभ

पीली जीभ अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे गैस्ट्राइटिस या लिवर की खराबी, का संकेत देती है। यह बैक्टीरियल ग्रोथ या खराब मौखिक स्वच्छता के कारण भी हो सकती है। कई बार जीभ का पीला होना जॉन्डिस या पीलिया बीमारी का लक्षण भी हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

जीभ को स्वच्छ रखने के उपाय

जीभ के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित मौखिक स्वच्छता जरूरी है। दिन में दो बार ब्रश करें और जीभ को टंग स्क्रेपर से साफ करें। पर्याप्त पानी पिएं, ताकि डिहाइड्रेशन से बचा जा सके। धूम्रपान, तंबाकू से परहेज करें। अपनी डाइट में संतुलित आहार शामिल करें। यदि जीभ का रंग या बनावट असामान्य हो और यह एक सप्ताह से अधिक समय तक रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आम केक

हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय आम दिवस मनाया जाता है और इस मौके पर अगर कुछ मीठा और खास न बनाया जाए, तो मजा अधूरा रह जाता है। आम का स्वाद सभी को पसंद होता है और जब बात केक की हो तो बच्चे-बड़े सब खुशी से झूम उठते हैं। लेकिन अगर आप स्वास्थ्य के प्रति सचेत हैं और मैदे या प्रिजर्वेटिव वाले केक से बचना चाहते हैं तो इस नेशनल मैंगो डे पर गेहूं के आटे से बना खास मैंगो केक ट्राई करें। यह केक स्वाद में लाजवाब होता है और बनाने में भी बेहद आसान है। इसमें न तो अंडे की जरूरत है, न ओवन की। आइए जानते हैं बिमा ओवन के गेहूं के आटे से मैंगो केक बनाने की आसान रेसिपी और टिप्स।

मैंगो केक बनाने की सामग्री

गेहूं का आटा एक कप, एक कप पका हुआ आम का गूदा, एक छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर, 1/4 कप घी या तेल, आधा कप शक्कर, आधा कप दूध, आधा चम्मच वनीला एसेंस, दो चम्मच कटे हुए ड्राई फ्रूट्स।

मैंगो केक बनाने की विधि

स्टेप 1- एक बाउल लें और उसमें आम का गूदा, घी और शक्कर मिलाकर इसे अच्छे से फेंट लें।

स्टेप 2- अब इसमें वनीला एसेंस और दूध डालकर मिलाएं।

स्टेप 3- अब दूसरी कटोरी में गेहूं का आटा, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा को छानकर मिला लें।

स्टेप 4- आटे में आम वाली सामग्री मिलाएं। सूखी और गीली सामग्री को धीरे-धीरे मिलाते जाएं।

स्टेप 5- अगर बैटर गाढ़ा हो तो थोड़ा दूध और डालें।

स्टेप 6- अब एक केक टिन को घी लगाकर ग्रीस करें और उसमें बैटर डालें। ऊपर से ड्राय फ्रूट्स डालें।

स्टेप 7- अब इसे प्रीहीट किए हुए कुकर या पैन में 30 से 35 मिनट तक धीमी आंच पर बेक करें। अगर ओवन में बेक करना हो तो 180 डिग्री सेल्सियस पर बेक करें।

स्टेप 8- टूथपिक से चेक करें कि केक अच्छे से पक गया है या नहीं।

ठंडा होने के बाद इसे काटें और सभी को परोसें।

टिप्स-

ध्यान रखें आम जितना मीठा होगा, उतनी ही कम चीनी डालें।

बिना दूध के आप नारियल पानी या दही भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बेकिंग पाउडर और सोडा की मात्रा का ध्यान रखें वरना केक फूलेगा नहीं।

बाघ प्रेमियों के लिए भारत की पांच बेहतरीन जगह, जहां मिलेगा टाइगर सफारी का असली मजा

हर साल 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य है बाघों की घटती संख्या के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके संरक्षण के प्रयासों को मजबूत करना। अगर आप इस इंटरनेशनल टाइगर डे पर कुछ खास करना चाहते हैं, तो एक टाइगर सफारी ट्रिप से बेहतर और क्या हो सकता है। बाघों को उनके प्राकृतिक आवास में देखे के लिए भारत में ऐसे कई टाइगर रिजर्व हैं, जहां आपको इन जंगल के राजाओं की झलक जरूर मिलेगी। बाघ दिवस के मौके पर देश के सबसे लोकप्रिय टाइगर रिजर्व की सैर के लिए जा सकते हैं और जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। ये सफर सिर्फ एक एडवेंचर नहीं, बल्कि बाघों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति आपकी जागरूकता का भी प्रतीक है। इस लेख में जानिए भारत के 5 बेहतरीन बाघ उद्यान, जो टाइगर डे पर घूमने के लिए एकदम परफेक्ट हैं।

रणथंभौर नेशनल पार्क

राजस्थान के सवाई माधोपुर में रणथंभौर नेशनल पार्क है। यह उद्यान पहाड़ों, किलों और घने जंगलों के बीच है, जहां से बाघों की झलक मिलती है। अरावली और विंध्याचल पहाड़ियों का संगम देखने को मिलता है। रणथंभौर किले की सैर कर सकते हैं। अक्तूबर से जून तक का महीना यहां घूमने के लिए सर्वोत्तम होता है। यहां बाघ देखने की सबसे ज्यादा संभावना रहती है। यहां का सफर फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग जैसा है। सफारी और कैम्पिंग का आनंद ले सकते हैं। रणथंभौर नेशनल पार्क की यात्रा के लिए जयपुर एयरपोर्ट से 180 किमी दूर बस या कैब मिल जाएगी। उद्यान से 12 किमी दूर सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व

मध्य प्रदेश के उमरिया जिला में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व है। देश में सबसे ज्यादा टाइगर की आबादी इसी उद्यान में है। मार्च से मई तक यहां बाघों को आसानी से देख सकते हैं। यहां आने वालों को हाथी सफारी का लुत्फ जरूर उठाना चाहिए। यह उद्यान 32 पहाड़ियों से घिरा है। बाघों के अलावा भी यहां कई प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के सबसे करीब रेलवे स्टेशन उमरिया रेलवे स्टेशन है, जहां से इस पार्क तक पहुंचने में लगभग 40 मिनट की ड्राइव है।

काजीरंगा नेशनल पार्क

असम में काजीरंगा नेशनल पार्क है जो कि एक सींग वाले गैंडे (व्हम भ्वतद तिपदवे) के लिए प्रसिद्ध है। ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसा यह सुंदर जंगल हाथी सफारी और जीप सफारी के लिए लोकप्रिय है। आप यहां बाघों के अलावा हाथी, गैंडा भी नजदीक से देख सकते हैं। बोट राइड और बर्ड वाचिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां पहुंचने के लिए 96 किमी दूर जोरहाट एयरपोर्ट है और 75 किमी दूर फुरकाटिंग रेलवे स्टेशन सबसे पास है।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क भारत का पहला नेशनल पार्क है, जो कि उत्तराखंड में है। यहां रोमांचक जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां आने का बेस्ट समय नवंबर से जून का है। अगर आप बाघ देखना चाहते हैं तो ढिकाला जोन में टाइगर दिखने की संभावना सबसे अधिक होती हैं। इस पार्क में बंगाल टाइगर, हाथी, हिरण, मगरमच्छ के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप जीप सफारी, कैंटर सफारी, एलीफेंट सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां के घने जंगलों और रमणीय पहाड़ियों के बीच सफारी का रोमांच विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।

कन्हा नेशनल पार्क

मध्य प्रदेश के कान्हा नेशनल पार्क से ही जंगल बुक की प्रेरणा ली गई थी। यह उद्यान बारहसिंगा का प्रमुख निवास है। यहां आप टाइगर सफारी, बर्ड वॉचिंग और वन्यजीवों को करीब से देखने के लिए जा सकते हैं। जंगल में कच्चे रास्तों पर रोमांचक सफर का अनुभव लेने के लिए निकटतम हवाई अड्डा जबलपुर एयरपोर्ट है जो कि 160 किमी दूर है। जबलपुर रेलवे स्टेशन 165 किमी दूर है।

लखनऊ कोर्ट में राहुल गांधी ने किया समर्पण, सुनवाई के बाद मिल गई जमानत

लखनऊ,संवाददाता। भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में कोर्ट में पेश होने के लिए सांसद राहुल गांधी लखनऊ पहुंचे। उन्होंने एमपी–एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। मामले में सुनवाई के बाद उन्हें जमानत दे दी गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ सेना पर टिप्पणी मामले में दर्ज केस की सुनवाई मंगलवार को लखनऊ के एमपी–एमएलए कोर्ट में हुई। कोर्ट में आत्मसमर्पण करने के बाद एमपी–एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने राहुल को हिरासत में लिया। इसके बाद जमानत अर्जी पर सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के बाद 20–20 हजार की दो मुचलकों पर उन्हें जमानत दे दी गई। यह मुकदमा उन पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में मुकदमा चल रहा है।

एमपी–एमएलए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मानहानि मामले में दायर शिकायत का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को आरोपी के रूप में तलब किया है। कांग्रेस नेता ने समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में याचिका दायर की थी लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली। बता दें कि यह मानहानि की शिकायत बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दायर की थी। यह मामला फिलहाल लखनऊ की एक अदालत में लंबित है। शिकायत में दावा किया गया कि राहुल गांधी ने 16 दिसंबर 2022 को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी 9 दिसंबर 2022 को भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प से जुड़ी थी।

शिकायत के अनुसार कि राहुल ने बार–बार अपमानजनक तरीके से कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों को पीट रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा। लखनऊ की अदालत ने पहली नजर में माना था कि राहुल के बयान से भारतीय सेना और उससे जुड़े लोगों और उनके परिवारों का मनोबल कम हुआ है। इस मामले में अदालत ने राहुल को पेश होने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष को पत्नी ने मारी चाकू

अमेठी, संवाददाता। में भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष को पत्नी ने चाकू से वारकर घायल कर दिया। उन्हें ट्रामा सेंटर जगदीशपुर में भर्ती कराया गया है।

ऊंचगांव गांव में मंगलवार को भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष मोहम्मद कलीम किदवई पर उनकी पत्नी समा ने पहले निकाह की बात छिपाने को लेकर चाकू से हमला कर दिया। उनके गले और पैर में गंभीर चोटें आईं। ट्रामा सेंटर जगदीशपुर में उन्हें भर्ती कराया गया है।

भाजपा नेता मोहम्मद कलीम मूलरूप से जगदीशपुर के निहालगढ़ के रहने वाले हैं। वह कुछ समय से ऊंचगांव में अपनी दूसरी पत्नी समा के साथ रह रहे हैं। जानकारी के अनुसार, वह पहली पत्नी को पहले ही तलाक दे चुके हैं। हालांकि, उन्होंने ये बात समा से छिपाई, जिसको लेकर पति–पत्नी के बीच कई महीनों से तनाव चल रहा था।

मंगलवार को इसी बात को लेकर समा आपा खो बैठी और पति पर चाकू से कई वार कर दिए। घायल कलीम ने फोन करके अपने रिश्तेदारों को मदद के लिए बुलाया। परिवार के लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने घर से चाकू बरामद कर समा को हिरासत में ले लिया।

पूछताछ में समा ने बताया कि मोहम्मद कलीम ने पहली शादी की बात छिपाकर उससे निकाह किया और अब लगातार धमकी दे रहे थे। उसने आरोप लगाया कि जान बचाने के लिए ही उसने चाकू उठाया।

थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों से मौखिक सूचना ली गई है। घायल का बयान दर्ज कर लिया गया है। अभी किसी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

मिशन पूरा कर धरती पर लौटे कैप्टन शुभांशु शुक्ला

लखनऊ, संवाददाता। छमूेरू भारतीय सेना के ग्रुप कैप्टन लखनऊ निवासी शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अपना मिशन पूरा कर वापस लौट आए हैं। मंगलवार को अपराह्न तीन बजे उनका यान कैलीफोर्निया के तट पर उतरा। अंतरिक्ष यान के सकुशल लैंड करते ही उनके माता–पिता भावुक हो गए। उन्होंने इस दौरान लैंडिंग का सजीव प्रसारण देखा। लखनऊ के सीएमएस स्कूल में पहले से ही इसके लिए इंतजाम किए गए थे। शुभांशु की मां आशा देवी और पिता शंभू दयाल शुक्ला भावुक हो गए। मां बोलीं ये हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।

बहन शुचि मिश्रा ने कहा, ष्वो वापस आ गए हैं। यह पूरे देश के लिए बहुत गौरव का क्षण है...हम बहुत उत्साहित हैं।

शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा, ष्मैं इस चीज को शब्दों में बयान नहीं कर सकती हूं। जब लैंड हो रहा था तब बस थोड़ा डर लगा था लेकिन सब अच्छे से हो गया है ईश्वर साथ में हैं, उन्होंने उसे वहां पहुंचाया था और उन्होंने ही उसे सुरक्षित लैंड कराया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है।

अगले दो दिन विंध्य और तराई क्षेत्र में झूम के बरसेंगे बदरा

उत्तर प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक मानसूनी बारिश का दौर जारी है। सोमवार को प्रदेश के विंध्य क्षेत्र और पूर्वी तराई के इलाकों में अच्छी बारिश देखने को मिली। बलिया, वाराणसी, मिर्जापुर, बहराइच, अयोध्या, भदोही, गाजीपुर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, रामपुर, शाहजहांपुर में जोरदार बारिश हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे निम्नदाब के प्रभाव से अगले दो दिन प्रदेश के विंध्य क्षेत्र और पूर्वी–तराई में कल से दो दिन भारी बारिश के आसार हैं।मंगलवार के लिए मैासम विभाग ने 15 जिलों में भारी बारिश और 34 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना बनी रहेगी

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मंगलवार को तराई से शुरू हो कर दक्षिणी और विंध्य क्षेत्र में अगले दो दिन भारी मानसूनी बारिश शुरू होने के संकेत हैं। इस दौरान प्रदेश बाकी हिस्सों में भी बादलों की आवाजाही और छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना बनी रहेगी।

यहां है भारी बारिश की संभावना

सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, कुशीनगर, अंबेडकर नगर एवं आसपास के इलाकों में।

यहां बिजली गिरने की चेतावनी

गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, महोबा, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

पंचायत चुनाव के लिए परिसीमन प्रक्रिया घोषित, जल्द ही शुरू होगा कार्यक्रम

लखनऊ, संवाददाता। पंचायत चुनाव के लिए परिसीमन की प्रक्रिया 18 जुलाई से प्रारंभ होगी। जिला पंचायतीराज विभाग के भेजे विस्तृत कार्यक्रम पर शासन ने अपनी मुहर लगा दी है। शहरी क्षेत्रों के विस्तार के कारण पंचायत वार्डों की सीमाएं बदल रही हैं। फाइनल सूची 10 अगस्त तक जारी होंगी। नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद और नगर निगम के सृजन और सीमा विस्तार के कारण प्रभावित ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) का आंशिक परिसीमन किया जाना है। इन वार्डों के निर्धारण के संबंध में आपत्तियां प्राप्त करने, उसके निस्तारण और प्रकाशन आदि के लिए समयसारिणी जारी कर दी गई है। समयसारिणी के अनुसार, ग्राम पंचायतवार जनसंख्या का निर्धारण 18–22 जुलाई के बीच होगा। ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के वार्डों की प्रस्तावित सूची की तैयारी और उसका प्रकाशन 23 जुलाई से 28 जुलाई के मध्य किया जाएगा। इन वार्डों पर आपत्तियां 29 जुलाई से 2 अगस्त के बीच ली जाएंगी। आपत्तियों के निस्तारण का कार्य 3 अगस्त से 5 अगस्त के बीच पूरा होगा। वार्डों की अंतिम सूची का प्रकाशन 6 अगस्त से 10 अगस्त के बीच किया जाएगा।

सात साल की बच्ची की हत्या मां पर गला दबाकर मारने का आरोप

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में सात साल की बच्ची की हत्या का मामला सामने आया है। मां पर गला दबाकर मारने का शक है। वह अपने पति को छोड़कर प्रेमी के साथ रह रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजधानी लखनऊ में मंगलवार की सुबह मां के साथ रह रही सात साल की बच्ची की हत्या कर दी गई। महिला अपने पति को छोड़कर बेटी को लेकर प्रेमी के साथ रह रही थी। अचानक बेटी की मौत से शक की सुई मां पर ही टिक गई है। हालांकि महिला अपने पति पर हत्या का आरोप लगा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना कैसरबाग क्षेत्र के खंदारी बाजार की है। बताया गया कि रोशनी खान अपने पति शाहरुख खान को छोड़कर प्रेमी उदित जायसवाल के साथ रह रही थी। वह अपने साथ अपनी सात साल की बेटी को भी लेकर आई थी। सुबह रोशनी ने डायल 112 पर फोन करके पुलिस को बेटी की हत्या की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक छानबीन में गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आई है।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

लखनऊ, संवाददाता। मंगलवार की सुबह–सुबह अचानक सरदारनगर इलाके में ट्रेन के संपर्क में आने से एक बुजूर्ग की मौत हो गई। घटना तड़के भोर की बताई जा रही है।

चौरीचौरा थाना क्षेत्र करमहा ओवर ब्रिज के नीचे मंगलवार को आठ बजे ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पास मिले कागजात के अनुसार बुजुर्ग की पहचान जय किशुन प्रसाद (60) थाना उरुवा के रूप में हुई है। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज सौरभ झा और रजनीश मिश्रा ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर जांच शुरू कर दी है।

बीबीएयू में शुरू होगा चाइल्ड गाइडेंस पर एडवांस डिप्लोमा

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में जल्द ही 'एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग' विषय पर एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। मंगलवार को बीबीएयू और सावित्रीबाई फुले इंस्टीट्यूट ऑफ विमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट के बीच एक शैक्षणिक समझौता (एमओयू) किया गया। विश्वविद्यालय में इस कोर्स के लिए 25 सीटें निर्धारित की गई हैं। यह एमओयू बीबीएयू के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल, डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू और सावित्रीबाई फुले इंस्टीट्यूट ऑफ विमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट के रीजनल डायरेक्टर डॉ. अनिल वी. बाबू ,असिस्टेंट डायरेक्टर लीना कुमारी की मौजूदगी में हुआ।

यह कोर्स विद्यार्थियों को चाइल्ड साइकोलॉजी, व्यवहारिक समस्याएं, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान, अभिभावक परामर्श, भावनात्मक–सामाजिक विकास से जुड़ी गहन जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

डिवाइन क्लब की आसान जीत

लखनऊ। डिवाइन क्लब ने टेक्ट्रो अकादमी रिजर्व को आसान मुकाबले में 4–0 से मात देते हुए जिला फुटबॉल लीग में पूरे अंक प्राप्त किए। चौक स्टेडियम में खेली जा रही प्रतियोगिता के दूसरे मैच में एलडीए ए और न्यू बॉयज के

बीच मुकाबला 2–2 से बराबरी पर छूटा। डिवाइन और टेक्ट्रो अकादमी के बीच मुकाबला एकतरफा रहा। मुकाबले की शुरुआत से ही डिवाइन क्लब के खिलाड़ियों ने हमलों की झड़ी लगा दी। खेल के चौथे मिनट में काशिफ ने गोल करते हुए डिवाइन क्लब का खाता खोला। 26वें मिनट में टीम को दूसरा गोल करने में सफलता मिली। यह गोल रॉयन के नाम रहा। मध्यांतर तक यह स्कोर कायम रहा। दूसरे हाफ में डिवाइन क्लब के लिए मो. अली ने बेहतरीन स्किल का प्रदर्शन करते हुए खेल के 68वें और 74वें मिनट में गोल दागते हुए डिवाइन क्लब को 4–0 से बढ़त दिलाई, जो निर्णायक साबित हुई।

कुत्तों के झुंड ने किशोर की जांघ व सिर चबाया, मौत, बाल सहित सिर की चमड़ी उखाड़ ले गए कुत्ते

लखनऊ, संवाददाता। बहराइच के खैराघाट थाना क्षेत्र की मटेरा नहर के पास नित्य क्रिया के लिए गए एक 12 वर्षीय किशोर पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया और किशोर के बाल सहित सिर की चमड़ी उखाड़ ले गए। किशोर की मौत हो गई।

ग्राम पंचायत कम्हरिया निवासी नूरुद्दीन (12) पर मंगलवार की सुबह आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। नूरुद्दीन को अधमरी हालत में इलाज के लिए सीएचसी शिवपुर ले जाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में भी नूरुद्दीन की हालत गंभीर बनी रही और चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। खैरीघाट थाना क्षेत्र के कम्हरिया निवासी नूरुद्दीन मंगलवार की सुबह लगभग सात बजे घर से नित्यक्रिया की बात कहकर निकला था। नूरुद्दीन गांव के बाहर निकला ही था कि उस पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने नूरुद्दीन को दौड़ा–दौड़ा कर नोचा और सिर व जांघ को चबा डाला। नूरुद्दीन की चीख सुन गुजर रहे राहगीर दौड़े और डंडा पटक कर कुत्तों को भगाया और परिजनों को इसकी सूचना दी। सूचना पर पिता छब्बन मौके पर पहुंचे। बेटे को लहुलुहान देख छब्बन बिलख पड़े और नूरुद्दीन को गोद में उठाकर सीएचसी शिवपुर पहुंचाया। जहां सीएचसी अधीक्षक डॉ. नलिन राजा ने प्राथमिक इलाज कर किशोर को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। अधीक्षक ने बताया कि किशोर के सिर, कमर व पैर पर गंभीर घाव हैं। मेडिकल कॉलेज से भी नूरुद्दीन को बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। कुत्ते के हमले की सूचना पर नायब तहसीलदार हर्षित पांडेय, क्षेत्रीय लेखपाल प्रदीप कुमार व थाना प्रभारी सूरज राणा घटना स्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। नायब तहसीलदार ने अभियान चलाकर कुत्तों को पकड़ने की बात कही है।

बाल सहित सिर की चमड़ी उजाड़ी, दहशत में ग्रामीण

आवारा कुत्तों के झुंड ने नूरुद्दीन के सिर को गंभीर रुप से चबा डाला। कुत्ते नूरुद्दीन के सिर से बाल सहित चमड़ी उजाड़ ले गए। यही नहीं कमर के पास के हिस्से को चबा कर मांस नोच ले गए। नूरुद्दीन को देखने के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण बच्चों को घर से बाहर निकलने नहीं दे रहे है। दहशत इतनी ज्यादा है, कि ग्रामीण हाथों में डंडा लेकर निकल रहे हैं। शिवपुर विकासखंड क्षेत्र में आवारा कुत्तों का हमला कोई पहली बार नहीं है। नूरुद्दीन पर हमला करने के तीन दिन पहले शनिवार को कुत्तों ने सेमरिया गांव निवासी दिलशाद (07) पर हमला किया था। हमले में गंभीर रूप से घायल दिलशाद का इलाज ट्रामा सेंटर लखनऊ में चल रहा है। इससे पहले फरवरी महीने में कुत्तों ने मटेरा कला गांव निवासी बालिका पिंकी को नोचकर मौत के घाट उतार दिया था। वहीं 16 अप्रैल को मामा के घर आई समरीन (09) को, 14 अप्रैल को अंजलि (04) को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। कई अन्य बच्चों को भी कुत्ते घायल कर चुके हैं।

रोड कटिंग पर डीएम सख्त अधिशासी अभियंता और जेई के खिलाफ कार्रवाइ

लखनऊ। कार्य पूरा होने के बाद भी सड़कों की मरम्मत न करने पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाया है। एक अधिशासी अभियंता और जेई के के साथ ठेकेदार पर भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं बारिश की वजह से सितंबर तक रोड कटिंग पर रोक लगा दी है। फिलहाल इसकी सितंबर तक अनुमति नहीं मिलेगी।

कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को हुई बैठक में पता चला कि काकोरी में दो महीने पहले रोड कटिंग की गई थी लेकिन अब तक उसकी मरम्मत नहीं कराई। इससे लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। डीएम ने एडीएम वित्त एवं राजस्व राकेश सिंह को निर्देशित किया कि वह ईओ काकोरी से रिपोर्ट लेकर अधिशासी अभियंत का स्पष्टीकरण लें।

ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करें और भुगतान में भी कटौती सीवर लाइन खोदाई की समीक्षा में पाया गया कि नगर निगम जोन तीन में सीवर लाइन खोदाई का काम कराया गया था। काम पूरा होने के बाद करीब पांच सौ मीटर की सड़क नहीं बनवाई गई। डीएम ने चीफ

इंजीनियर नगर निगम से रिपोर्ट लेकर जेई के खिलाफ कार्रवाई करने को कहना है।

वहीं डीएम ने निर्देशित किया है कि सीवर लाइन खोदाई के कार्य के दौरान श्रमिकों के लिए जो सेफ्टी प्रोटोकॉल हैं उनका पूरी तरह से पालन करायाजाए।

बैठक में जल निगम के अफसरों ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र सरोजनीनगर एक व दो में 6 टैंक बनाने का का कार्य प्रक्रिया में है। 29 ट्यूबवेल स्थापना की जानी थी जिसके सापेक्ष 25 ट्यूबवेल के लिए जमीन मिल गई है। 90 फीसदी रोड की भी मरम्मत की जा चुकी है। नगर निगम जोनल अभियंता ने सड़क मरम्मत संतोषजनक न होने की बात बताई गई।

इसमें मुख्य अभियंता नगर निगम को निर्देशित किया कि संयुक्त टीम के जरिये जहां जहां रोड कटिंग हुई है उसका सर्वे कर मरम्मत करवांए।

प्रदेश के इन दक्षिणी जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)।

उत्तर प्रदेश में विंध्य क्षेत्र के सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली और आसपास के इलाकों में बुधवार को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 24 अन्य जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को पूर्वी और दक्ष्रिणी यूपी में गोरखपुर से लेकर प्रयागराज तक भारी बारिश के संकेत हैं। साथ ही 52 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है।

मंगलवार को प्रदेश के कन्नौज में सर्वाधिक 92 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं मैनपुरी में 83 मिमी और मिर्जापुर में 64.4 मिमी बारिश हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक झारखंड के आसपास संकेंद्रित अवदाब कमजोर पड़ने से एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है जो पूर्वी यूपी की ओर आगे बढ़ रहा है। बुधवार को पूर्वी और दक्ष्रिणी यूपी में भारी बारिश के संकेत हैं।

यहां अत्यधिक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली व आसपास के इलाकों में।

भारी वर्षा होने की संभावना

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, महोबा व आसपास के इलाकों में।

नौ जिलों में कम बारिश, पैदावार बचाने में जुटा कृषि विभाग

प्रदेश के नौ जिलों संतकबीरनगर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, अंबेडकरनगर, जौनपुर, गौतमबुद्धनगर, कुशीनगर व देवरिया में 40 फीसदी से कम बारिश हुई है। सबसे कम वर्षा देवरिया में हुई हैं। ऐसे इन जिलों में पैदावार कम न हो, इसके लिए कृषि विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। जबकि 12 जिलों में सामान्य वर्षा 190.4 मिमी के सापेक्ष 199.9 मिमी बारिश हुई है। 28 जिलों में 120 प्रतिशत से अधिक, 16 जिलों में 60 से 80 प्रतिशत और सात जिलों में 40 से 60 प्रतिशत बारिश हुई है।

निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश को घूस मांगने समेत दोनों मामलों में मिला आरोप पत्र

लखनऊ, (संवाददाता)। निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें सोलर कंपनी से सब्सिडी के एवज में रिश्वत मांगने और भटगांव जमीन अधिग्रहण घोटाले में आरोपपत्र दे दिया गया है। नियुक्ति विभाग की ओर से भेजे गए दोनों आरोपपत्र उन्होंने प्राप्त भी कर लिए हैं।

सोलर कंपनी से सब्सिडी के एवज में घूस मांगने के आरोप में इन्वेस्ट यूपी के तत्कालीन सीईओ अभिषेक प्रकाश को 20 मार्च को निलंबित कर दिया गया था। उससे पहले 2021 में लखनऊ के भटगांव में जमीन अधिग्रहण घोटाले के मामले में भी वे जिम्मेदार ठहराए गए हैं। डिफेंस कॉरिडोर के लिए भटगांव की जमीन अधिग्रहीत की गई थी। इसमें सारे नियम–कायदों को ताक में रखकर फर्जी ढंग से नौकरशाहों और राजनेताओं के नजदीकियों को फायदा पहुंचाया गया।

जिनकी जमीन नहीं थी, फर्जी पट्टे के आधार पर उन्हें पहले मालिकाना हक दिया गया, फिर उस जमीन को नजदीकियों के नाम कराया गया। इन नजदीकियों ने ही यूपीडा के साथ जमीन की बिक्री का

अनुबंध कर मुआवजे के तौर पर मोटी रकम हड़पी।

अभिषेक प्रकाश को दिए गए आरोपपत्र में फर्जी पट्टे के आधार पर संक्रमणीय भूमिधर अधिकार देने और शासकीय धन को क्षति पहुंचाने समेत कई आरोपों का जिक्र किया गया है।

वहीं, अभिषेक प्रकाश पर एसएईएल सोलर पॉवर कंपनी का प्रोजेक्ट मंजूर करने के लिए घूस मांगने का आरोप भी है। इस मामले में सोलर कंपनी की ओर से राजधानी के गोमतीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने बिचौलिये निकांत जैन को हुसड़िया चौराहे के पास से गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था। सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक प्रकाश ने कंपनी संचालकों से निकांत जैन से संपर्क करने को कहा था।

6वें ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम का आयोजन 2 अगस्त को होगा

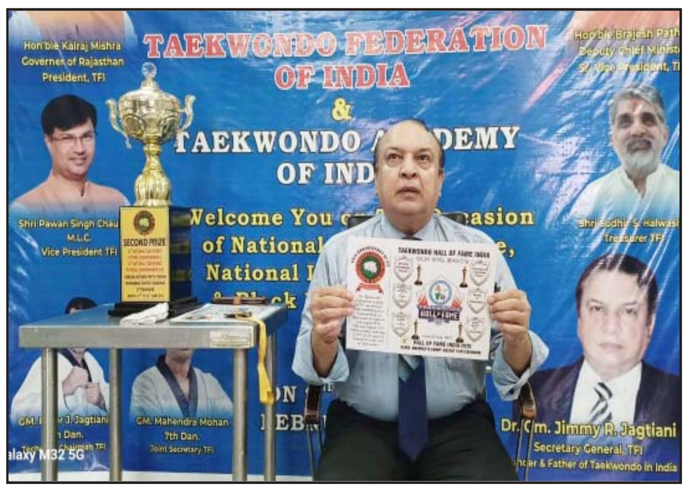

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ में 2 अगस्त को आयोजित होगा 6वां ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम। डॉ. जी.एम. जिमी आर. जगतियानी, संस्थापक और जनक, ताइक्वांडो, भारत ने इस आयोजन की घोषणा की है। यह आयोजन सुबह 11:00 बजे हलवासिया कोर्ट हजरत गंज, लखनऊ में होगा। इस आयोजन का उद्देश्य उन प्रतिभावान और संभावित व्यक्तियों को सम्मानित करना है, जिन्होंने भारत में ताइक्वांडो की कला के लिए खुद को समर्पित किया है। विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा, जिनमें राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी, लाइफटाइम अचीवमेंट, सीनियर मास्टर इंस्ट्रेक्टर, अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी, ताइक्वांडो में मास्टर और ताइक्वांडो में ग्रैंडमास्टर शामिल हैं। सफल उम्मीदवारों को डिप्लोमा और योग्यता प्रमाण पत्र, पदक और टाई प्रदान की जाएगी।

प्रशिक्षणार्थियों को यूथ आइकॉन के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन योजना के अंतर्गत विश्व युवा कौशल दिवस का कार्यक्रम राजकीय आईटीआई अलीगंज के स्वामी विवेकानंद सभागार में मनाया गया। मुख्य अतिथि एसोचैम रमेश मल्होत्रा उद्योग मंडल,लखनऊ थे।कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रशिक्षण प्रदाताओं द्वारा लगाए गए अपने-अपने केंद्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया तत्पश्चात प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई चारबाग लखनऊ द्वारा बुके देकर एसोचैम उद्योग मंडल प्रभारी एवं उपायुक्त,जिला उद्योग लखनऊ का स्वागत किया गया। विश्व युवा कौशल दिवस समारोह में कौशल विकास मिशन द्वारा विभिन्न योजनाओं में संचालित सेक्टर में प्रशिक्षण प्राप्त कर सेवायोजित हुए।

प्रशिक्षणार्थियों को यूथ आइकॉन के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया तथा जनपद में संचालित प्रशिक्षण प्रदाताओं में से बेस्ट प्रशिक्षण प्रदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आए हुए बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण किया गया कार्यक्रम स्थल पर एसपी निगम आईटीआई अलीगंज, विवेक कुमार सिंह , विकास, दिनेश पाल एवं प्रमोद कुमार उपस्थित रहे।

यशलोक हॉस्पिटल में मेदांता के विशेषज्ञ डा. सोमिल वर्मा की ओपीडी शुरु

प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय मंगलवार को होगी ओपीडी

अयोध्या। रामनगरी में हृदय रोगियों के लिए राहत भरी खबर है। अब उन्हें जांच और परामर्श के लिए लखनऊ नहीं भागना पड़ेगा। मेदांता लखनऊ के इंटरनेशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सोमिल वर्मा हर माह के पहले और तीसरे मंगलवार व शनिवार को यशलोक हॉस्पिटल, अयोध्या में ओपीडी सेवाएं देंगे। इस आशय की जानकारी उन्होंने मंगलवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी। डॉ. वर्मा ने बताया कि ओपीडी में ईसीजी, बीपी, शुगर टेस्ट सहित हार्ट की गंभीर जांचें भी उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि मेदांता सिर्फ अमीरों का अस्पताल नहीं है, बल्कि गरीब मरीजों को भी आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री राहत कोष व दीनदयाल योजना के तहत इलाज की सुविधा दी जाती है।उन्होंने बताया कि छाती में दर्द को हल्के में न लें, यह दिल की बीमारी का संकेत हो सकता है। शुरुआती जांच से ही बड़ी बीमारियों को टाला जा सकता है। उन्होंने बताया कि हृदय रोग का निदान ईसीजी, इको, एंजियोग्राफी व रक्त परीक्षणों से संभव है। बता दे कि डॉ. वर्मा जटिल कोरोनरी इंटरवेंशन, स्ट्रक्चरल हार्ट डिजीज और कैथेटर आधारित थेरेपी में विशेषज्ञता रखते हैं। अयोध्या में यह सेवा शुरू होने से हृदय रोगियों को बड़ा लाभ मिलेगा।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के खिलाफ विभाग कर रहा लगातार कार्यवाई - बीएसए

हरिटनगंज क्षेत्र में आधा दर्जन गैर मान्यता के संचालित विद्यालयों को दी गई नोटिस

अयोध्या। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे तथा सीडीओ केके सिंह के निर्देश पर जिले में बिना मान्यता के संचालित विद्यालयों पर बेसिक शिक्षा विभाग कार्यवाही करने में जुटा हुआ है।इस बात की जानकारी देते हुए बीएसए अवनीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में ऐसे विद्यालय जो कि बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं उन पर अंकुश लगाने के लिए संबंधित विकासखंड के खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी ऐसे विद्यालयों की सूची बनाएं तथा उनको नोटिस जारी करें। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग तीन दर्जन से अधिक ऐसे विद्यालयों को खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी किया गया है जो बिना मान्यता के संचालित हो रहे थे। उन्होंने बताया कि विकासखंड हरिंटनगंज के खंड शिक्षा अधिकारी राम सुरेश ने क्षेत्र में बिना मान्यता के संचालित आधा दर्जन विद्यालयों को नोटिस जारी किया है।बताया कि आर आर एन शिक्षण संस्थान, आरएलजीडी सहजनवा, शिवाजी शिक्षा सदन उमरपुर बाजार,बजरंगबली विद्यालय उमरपुर, ए के पब्लिक स्कूल ग्यासुद्दीनपुर तथा टैलेंट अकैडमी जोहन मे बिना मान्यता के संचालित पाए गए जिनके खिलाफ खंड शिक्षा अधिकारी ने नोटिस जारी किया है उन्होंने बताया कि इसके पहले रुदौली तरुण माया बाजार पूरा बाजार सहित अन्य विकास करो में इस तरह का अभियान चलाया गया था जहां पर कई गैर मान्यता विद्यालयों के खिलाफ कार्यवाही की गई और आगे भी कार्यवाही की जायेगी।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय अल्लीपुर हरदोई द्वारा आयोजित ष्शील सम्मान समारोहष के अंतर्गत गंगा देवी इंटर कॉलेज हरदोई में इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को सम्मानित करने के लिए समारोह का आयोजन किया गया द्यसर्वप्रथम प्रधानाचार्य द्वारा दीप प्रज्वलंकर कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम ही सफलता की प्रथम सीढ़ी है शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है शिक्षित व्यक्ति ही सही दिशा चुनकर अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकता है। डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय की अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर रश्मि द्विवेदी ने कहा कि किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए सर्वप्रथम लक्ष्य का निर्धारण करना अति आवश्यक है अपने लक्ष्य को पाने के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसके लिए कठिन परिश्रम आत्म संयमी सही दिशा का होना अति आवश्यक है। आप लोगों का भविष्य बनाने में शिक्षकों का माता–पिता का पूर्ण योगदान रहता है इसलिए आप सभी उनका सम्मान जीवन पर्यंत करें। समारोह में प्रथम स्थान पर 77.8 प्रतिशत कंचन कश्यप द्वितीय स्थान पर 77.02% गुनगुन कश्यप तृतीय स्थान पर 76% कविता को शील्ड सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया सोनम कश्यप नंदिनी अंजली गुप्ता बबीता वर्मा आदि छात्राओं को मेडल व सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया गया उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का आभार प्रधानाचार्य डॉक्टर अभिराम सिंह द्वारा किया गया संचालन अखिलेश पांडे ने किया। कार्यक्रम में प्रवक्ता आलोक करण सिंह, प्रवक्ता ओमप्रकाश, प्रवक्ता सुखदेव सिंह उपस्थित रहे स्वागत प्रियंका ने किया।

सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ, तीन लोग गिरफ्तार

गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मिलेनियम सिटी, करीमनगर के एक मकान में देह व्यापार (सेक्स रैकेट) का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। रविवार रात सीओ कैंपियरगंज विवेक कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापा मारा। मौके से दो महिलाएं और दो पुरुष पकड़े गए। एक नाबालिग लड़की भी पकड़ी गई है। यह मकान बदन सिंह नाम के व्यक्ति का है, जिसने किराये पर दिया था।

पकड़े गए लोगों की पहचान बृजेश कुमार साहनी उर्फ विजय, निवासी एकला नंबर दो, थाना गुलरिहा, महिला बिट्टू और प्रेम साहनी निवासी हरसेवकपुर नंबर दो के रूप में हुई। हालांकि पूछताछ के बाद पुलिस ने एक महिला और दो पुरुष के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम और पॉक्सो एक्ट की धारा के तहत केस दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, मिलेनियम सिटी स्थित बदन सिंह के फ्लैट में फर्स्ट फ्लोर पर तीन किराएदार रहते हैं। जबकि नीचे ग्राउंड फ्लोर पर बृजेश और बिट्टू रहते हैं। शुक्रवार को दो युवक घर पर आए। वे सीधे फर्स्ट फ्लोर पर स्थित एक कमरे का दरवाजा खटकाने लगे। अंदर से एक महिला निकली। दोनों युवकों ने अपने पास से मोबाइल फोन निकाला और एक लड़की की तस्वीर दिखाई। दोनों बोले इस लड़की से मिलना है। उसने ही बुलाया है। इसके बाद महिला नाराज होकर बोली– यहां ऐसी कोई लड़की नहीं रहती है। इसके बाद दोनों लड़के मोबाइल से बात करते हुए ग्राउंड फ्लोर वाले रूम में चले गए। यह देखकर महिला ने विरोध किया। बृजेश और बिट्टू से कहा– यहां गलत काम नहीं होने देंगे। इस पर दोनों ने देख लेने की धमकी दी। महिला किराएदार ने चिलुआताल थाने में कॉल कर देह व्यापार कराए जाने की सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने छापा मारा तो सैक्स रैकेट चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश हो गया।

सीओ कैंपियरगंज ने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि मिलेनियम सिटी के एक मकान में देह व्यापार चल रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने थाना प्रभारी अतुल श्रीवास्तव को स्पोर्ट्स कॉलेज चौराहे पर बुलाया और बताए गए मकान पर छापा मारा। मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ में सामने आया कि यह मकान किराए पर लेकर कमरे में देह व्यापार किया जा रहा था। दो महिलाएं व दो पुरुष पकड़े गए। इनमें एक नाबालिग भी मिली। जिसे सीडब्ल्यूसी (बाल कल्याण समिति) को सौंपा गया है।

सीओ ने बताया कि मकान मालिक की भूमिका की जांच चल रही है। यदि वह इस रैकेट की जानकारी के बावजूद मकान किराए पर दिए होंगे तो उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

80 ने क्यूआर कोड पर किया है पेमेंट

जांच के दौरान पुलिस को घर से क्यूआर कोड भी मिला है। धंधेबाज इसी पर ऑनलाइन पेमेंट लेते थे।

क्यूआर कोड पर करीब 80 लोगों ने पेमेंट किया है। पुलिस उनकी जानकारी जुटा रही है।

गांव की जमीन बचाने में लापरवाही का आरोप

वाराणसी, संवाददाता। घाघरा नदी से हो रही कटान के संबंध में पूर्व विधायक वंदना सिंह की शिकायत पर सोमवार को अपर आयुक्त शमशाद हुसैन तकनीकी अधिकारियों के साथ लाटघाट क्षेत्र के सहबदिया गांव पहुंचे। उन्होंने घाघरा नदी किनारे चल रही कटान रोकथाम परियोजना का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं की मौके पर जांच की। अपर आयुक्त शमशाद हुसैन ने कहा कि शिकायत के आधार पर तकनीकी टीम के साथ निरीक्षण किया गया है।

टीम की रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

पूर्व विधायक वंदना सिंह ने आरोप लगाया कि कटान रोकने के लिए बनाई गई परियोजना में घटिया सामग्री का उपयोग हुआ है। पिचिंग में सफेद पत्थर डाले गए हैं।

शासन द्वारा किये गये पेयरिंग स्कूलों से छात्र व उनके अभिभावक है संतुष्ट - बीएसए

बीएसए ने इन स्कूलों का निरीक्षण कर परखी जमीनी हकीकत

अयोध्या। शासन द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में कम बच्चों वाले परिषदीय स्कूलों को समायोजन का कार्य हुआ। उसी के तहत अयोध्या जिले मे 85 विद्यालयों को समायोजित किया गया है।इस विद्यालय की जमीनी हकीकत को जानने के लिए मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार पांडेय के नेतृत्व में सभी विकास खंडो के खंड शिक्षा अधिकारियों ने समायोजित हुए विद्यालयों का फीडबैक लिया। इस दौरान मर्ज हुए विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के साथ–साथ उनके अभिभावकों तथा ग्राम पंचायत के लोगों ने बताया कि शासन द्वारा चलाई जा रही यह नीति काफी सराहनीय है।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार पांडे ने बताया कि निरीक्षण दौरान इसी कड़ी में उन्होंने सबसे पहले मसौधा विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय डाभा सेमर मे खंड शिक्षा अधिकारी के साथ जाकर वहां पर शिक्षकों तथा अभिभावकों से शिक्षण संबंधी जानकारी लिया।उन्होंने बताया कि इस स्कूल के अलावा सभी विकास खंडो के स्कूलों में पर्याप्त संख्या में कमरे तथा खेलकूद के अन्य उपकरण उपलब्ध हैं।उन्होंने बताया कि विकासखंड तारुन, पूरा बाजार, रुदौली नगर क्षेत्र, बीकापुर, हरिंग्टनगंज के अलावा अमानीगंज में भी जाकर स्थलीय निरीक्षण किया गया। जहां पर इन क्षेत्रों में मर्ज हुए विद्यालयों मे पढ़ रहे छात्रों व उनके अभिभावकों ने बताया समायोजन से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगी।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि शासनादेश 12 जुलाई 25 के अनुपालन में आंगनबाड़ी केदो को शिफ्ट करते हुए एक वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों को पूर्व प्राथमिक में शिक्षा दी जाएगी।वही इसको लेकर बीएसए ने विकास खंड के सभी बीईओ के साथ बैठक किया।बैठक के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी तारुन यशवंत कुमार, पूरा बाजार रियाजुद्दीन, रुदौली मवई रमाकांत,नगर शिक्षा अधिकारी तारकेश्वर पांडे, बीकापुर अमित श्रीवास्तव,हैरिंग्टनगंज राम सुरेश व अमानीगंज के खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार मौजूद रहे।

किसी भी खबर के प्रकाशन से पहले पत्रकार संबंधित अधिकारी का पक्ष ले – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र और पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मीडिया और प्रशासन के बीच बेहतर संबंधों पर जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने पात्र मीडियाकर्मियों और 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पत्रकारों के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए मान्यता प्राप्त पत्रकारों के विचार लिए गए। सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार, पत्रकारों के हेल्थ कार्ड और पेंशन जैसे विषयों पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने पत्रकारों से किसी भी खबर के प्रकाशन से पहले संबंधित अधिकारी का पक्ष लेने को कहा। अमान्य पत्रकारों के मुद्दे पर समिति के सदस्यों ने चिंता जताई। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया कि ऐसे मामलों में जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला सूचना अधिकारी और समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

मरीज को गोद में लेकर पहुंचा ओपीडी, नहीं मिली व्हीलचेयर

गोरखपुर, संवाददाता। एम्स में कुशीनगर के हाटा निवासी 30 वर्षीय शकुंतला देवी अपने पैर के घाव के इलाज के लिए एम्स पहुंचीं। वहां व्हीलचेयर न मिलने के कारण उनके पति को गोद में उठाकर ओपीडी तक ले जाना पड़ा। राजू ने बताया कि उन्होंने 12:35 बजे पर्चा बनवाया और आधार कार्ड के साथ दो घंटे तक व्हीलचेयर के लिए इंतजार करते रहे। पूछताछ काउंटर पर तैनात कर्मियों ने कहा कि व्हीलचेयर नहीं है। मजबूरी में उन्होंने सीढ़ियों से पत्नी को उठाकर जनरल सर्जरी ओपीडी में पहुंचाया। मीडिया प्रभारी डॉ. आराधना सिंह ने कहा कि एम्स में पर्याप्त व्हीलचेयर हैं, यदि किसी मरीज को नहीं मिला है, तो इसकी जांच कराई जाएगी।

पुलिस अभिरक्षा में वारंटी की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

संतकबीर नगर, संवाददाता। संतकबीरनगर जनपद के महुली थानाक्षेत्र के नगुआ गांव में पुलिस अभिरक्षा में सुबह 9 बजे के करीब एक वारंटी की मौत हो गयी। इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है। परिजन इस मामले को लेकर घर से शव उठाने नहीं दे रहे थे। इस बात की जानकारी होने के बाद मौके पर दो थानों की पुलिस बुला ली गयी थी। वहीं गांव में पुलिस विभाग के अधिकारी भी पहुंच गए थे। परिजन मौत का कारण पुलिस को मान रहे है। महुली थाना क्षेत्र के नगुआ हरिजन बस्ती निवासी राम किशुन पुत्र बुझई उम्र 65 वर्ष गांव के एक मारपीट मामले में वर्ष 2011 में क्रॉस केस में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इसी मामले में खलीलाबाद न्यायालय द्वारा राम किशुन के अलावा गांव के ही एक अन्य व्यक्ति मतई के खिलाफ वारंट जारी हुआ था। परिजनों के अनुसार मंगलवार को पुलिस चौकी शनिचरा बाबू के तैनात बाइक से तीन सिपाही और एक एसआई पहुंचे। वगैर कुछ बोले धड़ाधड़ घर में घुस गए। परिजनों के आरोप है कि धमकी घुड़की देते हुए बाइक पर राम किशुन और गांव के एक अन्य व्यक्ति मतई को करीब आठ बजे पुलिस चौकी शनिचरा बाबू लेकर पहुंचे। थोड़ी देर बाद अचानक वारंटी राम किशुन पुत्र बुझई की तबीयत सन्दिग्ध परिस्थितियों में खराब हो गई। आनन फानन में पुलिस के जवान चौराहे पर स्थित एक निजी चिकित्सक के पास लेकर गए। चिकित्सक ने राम किशुन की मौत होने की पुष्टि कर दिया। सूचना पर परिजन और ग्रामीण पहुंच गए। शव को घर लेकर चले आये। मृतक की बेटी साधना और पत्नी चंद्रावती देवी पुलिस ज्यादती के चलते मौत होने का आरोप लगाया जा रहा है। सूचना पर थानाध्यक्ष रजनीश राय मय फोर्स पहुंचे। शव का पोस्टमार्टम कराने की तैयारी में जुट गए। परिजन न्याय मिलने के बाद ही आगे प्रक्रिया कराई जाने की जिद पर अड़ गए। ग्रामीणों का कहना था कि मृतक के चार पुत्र दिल्ली में है। उनके आने के बाद ही शव को उठाने दिया जाएगा। हंगामा होने की सूचना पर मौके पर एसपी संदीप कुमार मीणा भी पहुंच गए थे। उन्होंने परिजनों को समझाया बुझाया। बताया जाता है कि वर्ष 2011 में रामकिशुन ने एससी – एसी के तहत गांव के किसी व्यक्ति पर केस दर्ज कराया था। इसके बाद इस मामले में दूसरे पक्ष से भी क्रास केस दर्ज कराया गया था। मामला अदालत में चला, इसी दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे से समझौता कर लिया था। समझौते के बाद इन लोगों ने कोर्ट में इन लोगो ने कोई कागज जमा नहीं किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।